

4/6/18

पत्रावली राजस्थान लोक अकादमी कोष
कमीषा पर गूल वाक के लय न नि. लय न

यून इड्यु गायिका उपलब्ध ।
युं कि गूल वाक निराला है युल नर्वदा कुमारी
है इस लिपि में प्र.प. चलन कोष

रही है न स प्रयुक्त में इसी
ला पर कपवती रूप को जो
पत्रावली कोष में प्रयुक्त है
कोष है

नर्वदा कुमारी

उदयराम

शुभरी ल

Om
A16/12

